सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे के शिलान्यास का रास्ता साफ

60 दिन में पूरी होगी टेंडर की प्रक्रिया

अक्तूबर बाद शुरू हो सकता है काम

मेरठ से प्रयागराज तक पीपीपी मॉडल पर बनेगा, योगी कैबिनेट ने विकासकर्ताओं के चयन के लिए डॉक्यूमेंट को दी मंजूरी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले मेरठ से प्रयागराज तक 594 किमी. लंबे छह लेन ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे परियोजना के निर्माण की तैयारी तेज कर दी है। प्रदेश कैबिनेट ने बृहस्पतिवार को विकासकर्ताओं के चयन के लिए अंतिम तौर पर समूहवार रिक्वेस्ट फॉर क्वालिफिकेशन (आरएफ क्यू) व रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) दस्तावेजों को मंजूरी दे दी। यह एक्सप्रेस-वे पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर डिजाइन-बिल्ड-फाइनेंस-ऑपरेट एंड ट्रांसफर (डीबीएफ ओटी) के आधार पर चार ग्रुप में बनेगा। 60 दिन में बिडिंग कार्यवाही पूरी करनी होगी। अक्तूबर बाद कभी भी इसका शिलान्यास किया जा सकेगा।

प्रदेश सरकार के प्रवक्ता व एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने बताया कि किसी राज्य सरकार के स्तर पर बनने वाला देश का यह सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट ने एक्सप्रेस-वे की लागत के साथ तकनीकी व संरचनात्मक कार्य के साथ बिड डॉक्यूमेंट, निर्माणकर्ता के साथ कार्य की शर्तों आदि के अनुबंध समेत सभी महत्वपूर्ण प्रस्तावों को एक साथ मंजूरी दी है। परियोजना के लिए बिडिंग प्रक्रिया 60 दिन में पूरी की जाएगी। >> गंदगी फैलाई तो 3000 तक जुर्माना : पेज 2

12 जिलों को जोड़ेगा

- मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ व प्रयागराज।

- इस एक्सप्रेस-वे से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे एवं यमुना एक्सप्रेस-वे जुड़ेंगे।

- 6 लेन बनेगा, 8 लेन तक विस्तार किया जा सकेगा

120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से फर्राटा भर सकेंगे वाहन

शाहजहांपुर के पास हवाई पट्टी बनेगी

एक्सप्रेस-वे चार ग्रुप में तैयार होगा। प्रत्येक ग्रुप में 3 पैकेज होंगे। 9 स्थानों पर जन सुविधा परिसर, मेरठ व प्रयागराज में दो मुख्य टोल प्लाजा व 15 रैंप टोल प्लाजा बनेंगे। गंगा नदी पर लगभग 960 मीटर, रामगंगा नदी पर लगभग 720 मीटर लंबाई के दो बड़े पुल बनेंगे। शाहजहांपुर के पास हवाई पट्टी प्रस्तावित है।

16 जिलों में पीपीपी मॉडल पर खुलेंगे मेडिकल कॉलेज

लखनऊ। अब प्रदेश के हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज होगा। इसके लिए प्रदेश कैबिनेट ने 16 जिलों में प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर मेडिकल कॉलेज खोलने को मंजूरी दी है। 59 जिलों में पहले से ही मेडिकल कॉलेज खुले हुए हैं। इसी तरह बिजनौर के जिला अस्पताल को मेडिकल कॉलेज के रूप में तब्दील किया जाएगा। फरवरी, 2021 में यह प्रस्ताव तैयार किया गया था, जिसे बृहस्पतिवार को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी।

इन जिलों में पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज :
बागपत, बलिया, भदोही, चित्रकूट, हमीरपुर, हाथरस, कासगंज, महराजगंज, महोबा, मैनपुरी, मऊ, रामपुर, संभल, संतकबीरनगर, शामली, श्रावस्ती।

ललितपुर की हवाई पट्टी को हवाई अड्डे के रूप में विकसित करेंगे

लखनऊ। प्रदेश सरकार ललितपुर में हवाई अड्डे का निर्माण कराएगी। योगी कैबिनेट ने ललितपुर हवाई पट्टी को हवाई अड्डे के रूप में विकसित करने को मंजूरी दे दी। पहले चरण में इसे एटीआर-72 विमानों के लिए विकसित किया जाएगा। हवाई अड्डा निर्माण के लिए 226.77 एकड़ निजी भूमि खरीदने और प्रस्तावित भूमि पर स्थित सरकारी परिसंपत्तियों के लिए कुल 86,65,06,748 रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। ब्यूरो